RNI No.: UPHIN/25/A1697
GARVI GUJARAT
गरवी गुजरात
गरवी गुजरात
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक
वर्ष : 01
अंक:337
दि. 10.04.2026,
शुक्रवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

बंगाल में सत्ता परिवर्तन अब तय हो चुका है: नरेन्द्र मोदी

आसनसोल,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोला और राज्य में 'डबल इंजन सरकार' बनने का दावा किया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में परिवर्तन की लहर चल रही है और अब यह परिवर्तन 'पत्थर की लकीर' बन चुका है।

प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल के आसनसोल में चुनावी जनसभा में कहा कि पश्चिम बर्धमान की जनता का उत्साह और जनसैलाब इस बात का संकेत है कि पूरा बंगाल बदलाव चाहता है। टीएमसी के पापों का घड़ा भर चुका है और आगामी चुनाव राज्य के भविष्य को नई दिशा देने वाला साबित होगा। उन्होंने विश्वास जताया कि 4 मई के बाद राज्य में नई सरकार बनेगी और बंगाल विकास के नए युग में प्रवेश करेगा।

मोदी ने आरोप लगाया कि टीएमसी के शासन में राज्य के संसाधनों, संभावनाओं और युवाओं के अवसरों पर 'गुंडों का कब्जा' हो गया है। बंगाल की संपत्ति, जो विकास में लगनी चाहिए थी, उसकी

खुलेआम लूट हो रही है। टीएमसी राज्य को आगे ले जाने के बजाय पीछे धकेल रही है।

प्रधानमंत्री ने आसनसोल-दुर्गापुर क्षेत्र के औद्योगिक महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि यह इलाका कभी देश के औद्योगिक विकास का प्रमुख केंद्र हुआ करता था। उन्होंने कहा, 'साइकिल से लेकर रेल, पेपर से लेकर स्टील, एल्युमिनियम से लेकर ग्लास तक, यहां उद्योगों की लंबी श्रृंखला थी लेकिन आज उद्योगों का पलायन हो रहा है और युवाओं को रोजगार के लिए राज्य से बाहर जाना पड़ रहा है।'

उन्होंने कहा कि आजादी के समय देश की आय में बंगाल का योगदान लगभग 12 प्रतिशत था, जो अब घटकर काफी कम हो गया है। इसके लिए उन्होंने कांग्रेस, वामपंथी दलों और टीएमसी को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि इन सभी दलों ने बंगाल के लोगों के साथ विश्वासघात किया और राज्य के विकास को बाधित किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह चुनाव केवल सरकार बदलने का नहीं, बल्कि आसनसोल और पूरे बंगाल को उसकी पुरानी औद्योगिक पहचान लौटाने का चुनाव है। उन्होंने कहा कि 'माफियाराज से मुक्ति' और विकास का रास्ता केवल भाजपा-नीत राजग सरकार ही दे सकती है।

मोदी ने कहा कि पिछले कई दशकों में बंगाल की जनता ने कांग्रेस, वामपंथियों और टीएमसी सभी पर भरोसा किया, लेकिन सभी ने जनता को निराश किया। अब लोग केवल वादों पर नहीं, बल्कि काम और ट्रैक रिकॉर्ड के आधार पर निर्णय लेना चाहते हैं और इस मामले में भाजपा सबसे मजबूत है।प्रधानमंत्री ने कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर भी राज्य सरकार को घेरा। उन्होंने आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल से जुड़ी घटनाओं और संदेशखाली का उल्लेख करते हुए कहा कि ये घटनाएं दर्शाती हैं कि टीएमसी अपराधियों के साथ खड़ी है। राज्य में महिलाएं खुद को सुरक्षित महसूस नहीं करतीं और एसिड अटैक जैसे मामलों में वृद्धि चिंताजनक है।

सबरीमाला केस में सुनवाई

सरकार बोली:कई मंदिरों में प्रसाद में शराब दी जाती है:कोर्ट यह नहीं कह सकता वहां शराब मत दो

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्र सरकार ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सबरीमाला केस की सुनवाई के दौरान भारत के मंदिरों में रीति-रिवाजों का जिक्र किया। एएसजी नटराज ने कहा, दक्षिण भारतीय मंदिरों में प्रसाद के रूप में मदिरा दी जाती है। कल को आप इस पर यह आपत्ति नहीं उठा सकते कि मदिरा न दी जाए।

एक उदाहरण देता हूं, कई मंदिरों में शाकाहारी भोजन परोसा जाता है, और अगर कोई व्यक्ति अपनी पसंद या अंतरात्मा की आवाज पर कहता है कि वह मांसाहारी भोजन करना चाहता है, तो वह किसी खास संप्रदाय के पास जाकर यह नहीं कह सकता कि मेरा यह अधिकार है और मुझे यही परोसा जाना चाहिए। उसे

उन श्रद्धालुओं के अधिकारों में दखल देने का कोई अधिकार नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की बेंच धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव से जुड़े मामलों की बुधवार को लगातार तीसरे दिन सुनवाई कर रही है। इसमें विभिन्न धर्मों में प्रचलित धार्मिक स्वतंत्रता की सीमा और दायरे पर भी विचार किया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट में 50 से ज्यादा रिव्यू पिटीशनः धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव का मामला बीते 26 सालों से देश की अदालतों में हैं। 2018 में, 5 जजों की बेंच ने 4:1 के बहुमत से मंदिर में महिलाओं के प्रवेश पर लगी रोक हटा दी थी। इसके बाद कई पुनर्विचार याचिकाएं दायर की गईं।

किताबें नहीं, फिर भी पढ़ानी होगी तीसरी भाषा :CBSE ने स्कूलों को निर्देश दिए

छठी क्लास में इसी सेशन से 3 भाषाएं पढ़ाने का नियम लागू

नई दिल्ली,एजेंसी। CBSE ने क्लास 6 में तीसरी भाषा लागू करने को लेकर बड़ा फैसला लिया है। बोर्ड ने 9 अप्रैल को जारी सर्कुलर में सभी स्कूलों को 7 दिन के अंदर इसे लागू करने का निर्देश दिया है। इसे urgent & mandatory बताते हुए तुरंत पढ़ाई शुरू करने को कहा गया है।

नोटिस के अनुसार, यह नियम 2026-27 सेशन यानी इसी साल से लागू होगा। स्कूलों को अभी से तैयारी और पढ़ाई शुरू करनी होगी। खास बात ये है कि थर्ड लैंग्वेज को बतौर सब्जेक्ट पढ़ाने के लिए अभी किताबें उपलब्ध नहीं हैं।

बोर्ड ने कहा- किताबें जल्द जारी होंगी

CBSE ने नोटिस में कहा कि स्कूल तीसरी भाषा की पढ़ाई के लिए फिलहाल स्थानीय स्तर पर उपलब्ध किताबों और सामग्री का इस्तेमाल करें। आधिकारिक टेक्स्ट बुक्स जल्द उपलब्ध कराई जाएंगी। लेकिन स्कूलों को इंतजार नहीं करना है और तुरंत पढ़ाई शुरू करनी होगी।

स्कूलों को देनी होगी जानकारी

स्कूल अपनी चुनी गई तीसरी भाषा की जानकारी CBSE को देंगे। इसे OASIS पोर्टल पर अपडेट करना जरूरी होगा। बोर्ड ने कहा है कि इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी उसके रीजनल ऑफिस करेंगे, ताकि सभी स्कूल समय पर नियम लागू करें।

विश्व शांति के लिए नवकार मंत्र का सामूहिक जाप प्रासंगिक: अमित शाह

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि जब विश्व के विभिन्न हिस्सों में अपने विचारों को स्थापित करने के लिए संघर्ष की स्थिति बनी हुई है, ऐसे समय में समस्त मानवता के कल्याण के लिए नवकार मंत्र का सामूहिक जाप अत्यंत सार्थक और प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि आज विश्व को शांति, सौहार्द और आपसी समझ की आवश्यकता है, जिसे इस प्रकार के आध्यात्मिक प्रयासों के माध्यम से सशक्त किया जा सकता है।

गृह मंत्री गुरुवार को यहां आयोजित 'विश्व नवकार महामंत्र दिवस' कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने भारतीय संस्कृति की आध्यात्मिक परंपराओं का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत विविध धर्मों और संप्रदायों का देश है, जहां प्रत्येक परंपरा में मंत्रों की विशेष महत्ता और आध्यात्मिक शक्ति का वर्णन मिलता है।अमित शाह ने कहा कि मंत्र मानव जीवन को सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं। हमारे चैतन्य को जागृत करते हैं और शुभ

संकल्पों को दृढ़ बनाते हैं। उन्होंने कहा कि जब श्रद्धा और एकाग्रता के साथ लोग सामूहिक रूप से एक ही मंत्र का जाप करते हैं, तो उसका प्रभाव केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि समाज, राष्ट्र और पूरे विश्व पर सकारात्मक रूप से पड़ता है।

उन्होंने कहा कि हमारे ऋषि-मुनियों और सिद्धों ने पीढ़ियों तक तप और साधना करके ऐसे मंत्रों की रचना की है, जो समस्त मानवता के कल्याण के लिए हैं। इन मंत्रों को केवल श्रद्धा से स्वीकार करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके आदर्शों को जीवन में अपनाना भी आवश्यक है। गृह मंत्री ने नवकार मंत्र की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पूर्णतः निराकार, निरपेक्ष और सार्वभौमिक प्रार्थना है, जिसमें किसी प्रकार का भेदभाव नहीं है।

ईरान बोला:अमेरिका ने सीजफायर की 3 शर्तें तोड़ीं:अब बातचीत बेकार

ट्रम्प बोले: समझौते तक ईरान के आसपास आर्मी तैनात रहेगी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी,एजेंसी। ईरान ने अमेरिका पर सीजफायर की तीन अहम शर्तें तोड़ने का आरोप लगाया है। ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकेर गालिबाफ ने कहा कि अमेरिका ने 10-पॉइंट प्रस्ताव की बुनियादी शर्तों का उल्लंघन किया है।ईरान ने साफ कहा है कि जिस आधार पर बातचीत होनी थी, वही पहले ही टूट चुका है। ऐसे में अब बातचीत या सीजफायर तर्कसंगत नहीं रह गया है।वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि जब तक ईरान के साथ हुआ समझौता पूरी तरह लागू नहीं होता, तब तक अमेरिकी सेना ईरान के आसपास तैनात रहेगी।ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर

चेतावनी दी कि अगर समझौते का पालन नहीं हुआ, तो फिर से गोलीबारी शुरू होगी, जो पहले से ज्यादा बड़ी, ताकतवर और विनाशकारी होगी। हालांकि उन्होंने कहा कि इसकी संभावना बेहद कम है, लेकिन अमेरिका पूरी तरह तैयार है।

लेबनान में इजराइली हमलों से एक दिन में 254 मौतें: इजराइली सेना ने बुधवार को लेबनान में सैकड़ों मिसाइलों से हमला किया, जिसमें 254 लोगों की मौत हो गई। लेबनान की सिविल डिफेंस एजेंसी के मुताबिक, इस एयर स्ट्राइक में कम से कम 1,165 लोग घायल हुए। इसके बाद देश में राष्ट्रीय शोक घोषित किया गया है।

हमले बेरूत, बेक्का वैली, माउंट लेबनान, सैदोन और दक्षिण लेबनान के कई गांवों में किए गए। यह हमला उसी दिन हुआ, जब अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच दो हफ्ते के सीजफायर का ऐलान किया गया था।इजराइली सेना ने कहा कि यह हमला 2 मार्च से शुरू किए गए उनके नए सैन्य ऑपरेशन के बाद लेबनान पर अब तक का सबसे बड़ा हमला था। सेना के मुताबिक, इसमें हिजबुल्लाह के 100 से ज्यादा कमांड सेंटर और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया।

देश में एलपीजी की सप्लाई बाधित नहीं, एक दिन में आपूर्ति हुए 51 लाख से ज्यादा सिलेंडर : सुजाता शर्मा

नई दिल्ली,एजेंसी। पश्चिम एशिया संकट के बीच केंद्र सरकार ने गुरुवार को कहा कि देश में एलपीजी की सप्लाई स्थिर बनी हुई है। बुधवार को 51 लाख से ज्यादा सिलेंडर आपूर्ति किए गए हैं। साथ ही कमर्शियल एलपीजी की सप्लाई लगभग 70 फीसदी तक बहाल कर दी गई है।पेट्रोलियम और नेचुरल गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव (मार्केटिंग और ऑयल रिफाइनरी) सुजाता शर्मा ने गुरुवार को अंतर-मंत्रालयी प्रेसवार्ता में बताया कि मौजूदा वैश्विक भू-राजनीतिक चुनौतियों के बीच एलपीजी की लगभग 60 फीसदी जरूरत आयात पर निर्भर है, जिससे इसकी उपलब्धता प्रभावित हुई है। इसे संभालने के लिए घरेलू उपभोक्ताओं को

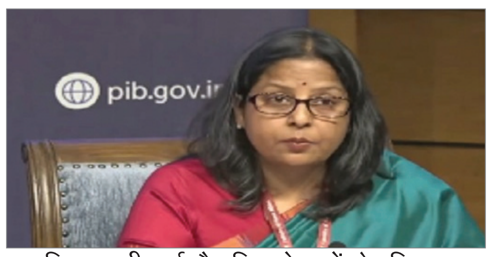

प्राथमिकता दी गई है, जिससे घरों के लिए 100 फीसदी सप्लाई सुनिश्चित हो सके और डिस्ट्रीब्यूटरों के पास किसी भी तरह की कमी की रिपोर्ट न हो।उन्होंने कहा कि ऑनलाइन बुकिंग 98 फीसदी तक और ओटीपी आधारित डिलीवरी 92 फीसदी तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि कमर्शियल एलपीजी की सप्लाई लगभग 70 फीसदी तक बहाल कर दी गई है, जिसमें मुख्य क्षेत्रों के लिए थोक सप्लाई भी शामिल है। शर्मा ने कहा कि 14 मार्च से अब तक करीब एक लाख टन गैस सप्लाई की गई है, जिसमें कल सप्लाई किए गए 6,700 टन भी शामिल हैं। यह लगभग 3.5 लाख 19 किलो वाले गैस सिलेंडरों के बराबर है।सुजाता शर्मा ने बताया कि 5 किलो वाले रसोई गैस सिलेंडरों की उपलब्धता बढ़ा दी गई है। 23 मार्च से अब तक 10 लाख से ज्यादा सिलेंडर बेचे जा चुके हैं, जबकि कल 1.06 लाख सिलेंडर बेचे गए।

पुडुचेरी में कांग्रेस-भाजपा समर्थक भिड़े

एंटनी बोले: केरल में बीजेपी को कोई पसंद नहीं करता हिमंता ने कामाख्या मंदिर में पूजा के बाद वोट डाला

गुवाहाटी/तिरुवनंतपुरम/पुडुचेरी,एजेंसी। देश के तीन राज्यों असम, केरलम और पुडुचेरी में आज विधानसभा चुनाव के लिए सिंगल फेज में वोटिंग चल रही है। कुल 296 सीटों पर मतदान हो रहा है। दोपहर 3 बजे तक असम में 75.91%, केरलम में 62.71% और पुडुचेरी में 72.40% वोटिंग हुई है।पुडुचेरी में मन्नादिपेट में पोलिंग बूथ पर कांग्रेस और भाजपा समर्थकों में झड़प हो गई।

पुलिस ने भीड़ पर लाठीचार्ज किया। पुडुचेरी के सीएम ष्टरू रंगास्वामी वोट डालने के लिए पोलिंग बूथ तक मोटरसाइकिल से पहुंचे। केरलम में पूर्व रक्षा मंत्री और कांग्रेस लीडर ए.के. एंटनी ने तिरुवनंतपुरम में वोट डाला।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को जान से मारने की धमकी

ऑडियो मैसेज में कहा- जैसे अतीक को मारा, वैसे ही मारना है; 33 बार गालियां दीं

वाराणसी,एजेंसी। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को जान से मारने की धमकी मिली है। उन्हें भेजे गए ऑडियो मैसेज में कहा गया कि जैसे अतीक अहमद को मारा गया था, वैसे ही उन्हें भी मार दिया जाएगा। इन ऑडियो में 33 बार गालियां भी दी गई हैं और कहा गया है कि उनकी यात्रा के दौरान हमला किया जाएगा।

1 अप्रैल को ज्योतिष्पीठ के आधिकारिक नंबर पर पहले एक धमकी भरा मैसेज आया था, जिसे बाद में ब्लॉक कर दिया गया। इसके बाद 6 अप्रैल की रात 9:55 और 9:56 बजे दो वॉइस मैसेज भेजे गए। ज्योतिष्पीठ ने बुधवार को ये दोनों ऑडियो जारी करके मामले की जांच की मांग की है।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद 'गोमाता-राष्ट्रमाता' अभियान चला रहे हैं। इसी के तहत 3 मई से उत्तर प्रदेश में उनकी 'गविष्ठी यात्रा' शुरू होने वाली है, जिसमें वे लोगों को गायों की सुरक्षा और उनके लिए आश्रय (गोधाम) बनाने के बारे में जागरूक करेंगे।

पंचभूतों का संतुलन ही पर्यावरण का असली रक्षक: द्रौपदी मुर्मु

नई दिल्ली,एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी नागरिक को पंचभूतों के पवित्र संतुलन को समझना जरूरी है।

राष्ट्रपति को राष्ट्रपति भवन में 'वृक्ष वेदाम 2.0' नामक पुस्तक भेंट की गई। इस पुस्तक के लेखक पूर्व सांसद एवं ग्रीन इंडिया चैलेंज के संस्थापक जोगिनपल्ली संतोष कुमार हैं। यह अवसर भारत की प्राचीन पर्यावरणीय चेतना और आधुनिक हरित आंदोलन के संगम का प्रतीक बना। इस पुस्तक का मुख्य उद्देश्य यह बताना है कि भारत की प्राचीन वेद-उपनिषद परंपरा में छिपा पर्यावरणीय ज्ञान आज भी उतना ही

प्रासंगिक है, जितना सदियों पहले था। यह ज्ञान आज की आधुनिक पर्यावरणीय समस्याओं का प्रभावी समाधान पेश करता है। उन्होंने वर्तमान समय को अमृत काल (अवसरों का स्वर्ण युग) और आपद काल (संकट का समय) दोनों बताया।

राष्ट्रपति ने कहा, मानवता आज लालच और अति उपभोग के कारण प्रकृति से दूर होती जा रही है और पंचभूतों आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी के पवित्र संतुलन को भूल रही है।

सिक्किम में बर्फबारी-लैंडस्लाइड,फंसे 135 टूरिस्ट को सेना ने बचाया

राजस्थान में अप्रैल में सर्दी, उत्तराखंड-हिमाचल में बर्फ गिरी,देश के 17 राज्यों में आंधी-तूफान का अलर्ट

भोपाल/लखनऊ/शिमला/देहरादून , एजेंसी। सिक्किम में भारी बर्फबारी के बीच कई जगह लैंडस्लाइड के कारण सड़क संपर्क टूट गया। लाचेन में करीब 1,000 पर्यटक फंसे हुए हैं और उन्हें जल्द से जल्द बचाने के लिए निरंतर प्रयास जारी हैं। सेना ने कुल 135 फंसे पर्यटकों को बचाया है।

उत्तर भारत में 3 वेस्टर्न डिस्टरबेंस के असर से अप्रैल में भी सर्दी का अहसास हो रहा है। राजस्थान में 20 दिनों से बदले मौसम के कारण तापमान 7 डिग्री तक कम हुआ है।

मौसम विभाग ने गुरुवार के लिए छत्तीसगढ़ और बिहार समेत 17 राज्यों में आंधी-तूफान का अलर्ट जारी किया है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा, सिक्किम, बंगाल, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और

त्रिपुरा में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है।बिहार में काल बैसाखी सिस्टम एक्टिव हो गया है। काल बैसाखी अचानक आने वाला तेज

आंधी-तूफान होता है। यह अप्रैल-मई (वैशाख) में आता है। इसके एक्टिव होने पर 50-100 किमी. की रफ्तार से हवाएं चलती हैं, बारिश और ओले गिरते हैं। यह जल्दी खत्म हो जाता है।

असम और मेघालय में मौसम सबसे ज्यादा खराब रहेगा। यहां आंधी-बारिश और ओले गिरने का ऑरेंज अलर्ट है। दक्षिण के राज्यों तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और और कोस्टल कर्नाटक में उमस भरा मौसम रहेगा।

संपादकीय

आधा-अधूरा युद्धविराम

अमेरिका-ईरान के बीच युद्धविराम में पाकिस्तान की भूमिका ध्यान खींचने वाली है। लगता है अमेरिका ने पाकिस्तान को संदेशवाहक की भूमिका सौंपना बेहतर समझा। अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम पश्चिम एशिया के साथ-साथ विश्व के लिए राहत की बात तो है, पर बहुत आश्वस्तकारी नहीं। इसलिए नहीं, क्योंकि युद्धविराम केवल दो सप्ताह के लिए हुआ है और यह विरोधाभासी दावों के साथ इतना अविश्वास भरा दिख रहा है कि किसी भी क्षण टूट सकता है। इस नाजुक युद्धविराम पर सहमति बन जाने की बात सार्वजनिक होने के तत्काल बाद परस्पर हमले बंद नहीं हुए।

इस युद्धविराम का भविष्य बहुत कुछ दोनों पक्षों के बीच होने वाली बातचीत के किसी ठोस नतीजे पर पहुंचने और एक-दूसरे के प्रति भरोसा पैदा होने पर ही निर्भर करेगा। इसके आसार कम ही हैं, क्योंकि एक तो इस युद्धविराम को लेकर अमेरिका और ईरान के दावे एक-दूसरे से मेल नहीं खाते और दूसरे, जहां ईरानी नेता कह रहे हैं कि संघर्ष विराम की शर्तों में लेबनान पर इजरायल के हमले रुकना भी है, वहीं इजरायली नेता इससे साफ इनकार कर रहे हैं।

स्पष्ट है कि युद्धविराम की घोषणा के बावजूद ऊर्जा संकट से त्रस्त अंतरराष्ट्रीय समुदाय आशंकित होकर ही चैन की सांस ले सकता है। हो सकता है ईरानी सत्ता पर काबिज कट्टरपंथी धड़ा ट्रंप की ईरानी सभ्यता नष्ट कर देने वाली खतरनाक धमकियों के बाद नरम पड़ा हो, लेकिन वह अपनी जिन मनचाही दस शर्तों पर युद्धविराम होने का दावा कर रहा है और जिन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति विचार योग्य पा रहे हैं, वे तो यही संदेश दे रही हैं कि ईरान के समक्ष अमेरिका को झुकना पड़ा। यह संदेश ट्रंप की फजीहत कराने और उनके अंतरराष्ट्रीय कद को छोटा करने वाला है।

यदि होर्मुज समुद्री मार्ग खुलने के बाद भी उस पर ईरान का दबदबा कायम रहेगा और ईरानी सत्ता हिजबुल्ला, हमास जैसे अतिवादी संगठनों को सहयोग एवं सैन्य संसाधन देती रहेगी तो फिर इससे न तो अमेरिका के हितों की पूर्ति होगी, न इजरायल के और न ही खाड़ी देशों के। इसकी भी अनदेखी न की जाए कि ईरान यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम जारी रखने की बात कर रहा है।

यदि वास्तव में ऐसा है तो इसका मतलब है कि अमेरिका और ईरान वहीं आकर खड़े हो गए, जहां करीब 40 दिन के विनाशकारी घमासान के पहले थे। यदि अमेरिका को ईरान से वार्ता के माध्यम से ही मसले सुलझाने थे तो फिर उसने फरवरी में जारी बातचीत के बीच इजरायल से मिलकर उस पर चढ़ाई क्यों कर दी और इससे उसे हासिल क्या हुआ?

अमेरिका-ईरान के बीच युद्धविराम में पाकिस्तान की भूमिका ध्यान खींचने वाली है। लगता है अमेरिका ने पाकिस्तान को संदेशवाहक की भूमिका सौंपना बेहतर समझा। इसके पीछे अमेरिका का चाहे जो स्वार्थ हो, युद्धविराम पर पर्दे के पीछे चीन की सक्रियता के समाचार अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में अमेरिकी प्रभुत्व को कमजोर सिद्ध करने वाले ही हैं।

महापंडित राहुल सांकृत्यायन: जिन्होंने 20वीं सदी में भारतीय ज्ञान परंपरा को विश्व पटल पर पुनर्जीवित किया

कुमार कृष्णन

महापंडित राहुल सांकृत्यायन...एक ऐसा व्यक्तित्व जिन्होंने 20वीं सदी में भारतीय ज्ञान परंपरा को विश्व पटल पर पुनर्जीवित किया। 09 अप्रैल को उनका जन्म हुआ था। महापंडित राहुल सांकृत्यायन (1896-1963) न केवल एक अथक यात्री थे, बल्कि एक विपुल लेखक भी थे जिन्होने 13 साल की उम्र में पहली बार घर छोड़कर अपनी यात्रा शुरु की। उन्होंने यात्रा वृतांत को साहित्यिक रूप दिया इसलिए राहुल सांकृत्यायन को हिंदी यात्रा साहित्य का जनक कहा जाता है। उन्होंने अपने जीवन के 45 वर्ष अपने घर से दूर अन्वेषण में बिताए।

अपने जीवन के विभिन्न चरणों में राहुल सांकृत्यायन एक वैष्णव मठ के महंत, किसान आंदोलन कारी, बौद्ध भिक्षु, स्वतंत्रता सेनानी और क्रांतिकारी थे। हालांकि उनका सबसे बड़ा योगदान अपनी यात्राओं के माध्यम से भारत और तिब्बत के बीच प्राचीन संबंधों को फिर से उजागर करना और प्रचुर सामग्री भारत वापस लाना था।

मिन्हाजू सिराज ने अपनी पुस्तक तबकात -ए-नासरी में 12वीं शताब्दी के अंत में नालंदा, विक्रमशिला और उदवंतपुरी के प्राचीन विश्वविद्यालयों के विध्वंश का वर्णन किया है। मुख्य रूप से बौद्ध शाक्य सम्प्रदाय के मठों में संग्रहित कई अमूल्य पांडुलिपियों को तिब्बत से वापस लाए। इन ग्रन्थों को पलायनकारी भिक्षु अपने साथ तिब्बत ले गए थे। तिब्बत के मौसम ने यह सुनिश्चित किया कि ये प्रकृति की अनिश्चितताओं से नष्ट न हो।महापंडित ने संस्कृत, पाली और अन्य भाषाओं में दुर्लभ पांडुलिपियों को प्राप्त करने के लिए तिब्बत में लगातार चार अभियानों का नेतृत्व किया और उनके प्रयासों ने बुद्ध की शिक्षाओं को पुनर्जीवित किया जो विलुप्तता के कगार पर थीं। अपने प्रयासों से वह न केवल इन दुर्लभ हिंदू और बौद्ध ग्रंथो की प्रतियां वापस लाए बल्कि उपमहाद्वीप की भूली हुई विरासत और इतिहास पर भी प्रकाश डाला।

राहुल सांकृत्यायन ने स्वयं पाली सीखी और बौद्ध ग्रंथ ÷मध्यम निकाय÷ का अध्ययन किया जिसमें बौद्ध प्रवचनों का वर्णन है। राहुल सांकृत्यायन के अनुसार, तिब्बत की उनकी यात्राएं अच्छे और बुरे दोनों अनुभवों से पूर्ण थी। जहां उन्होंने भारी कठिनाइयों का सामना किया, वहीं कुछ अनुभव बहुत अच्छे थे। उन्हें प्राचीन ताड़ के पत्तों की पांडुलिपियों के

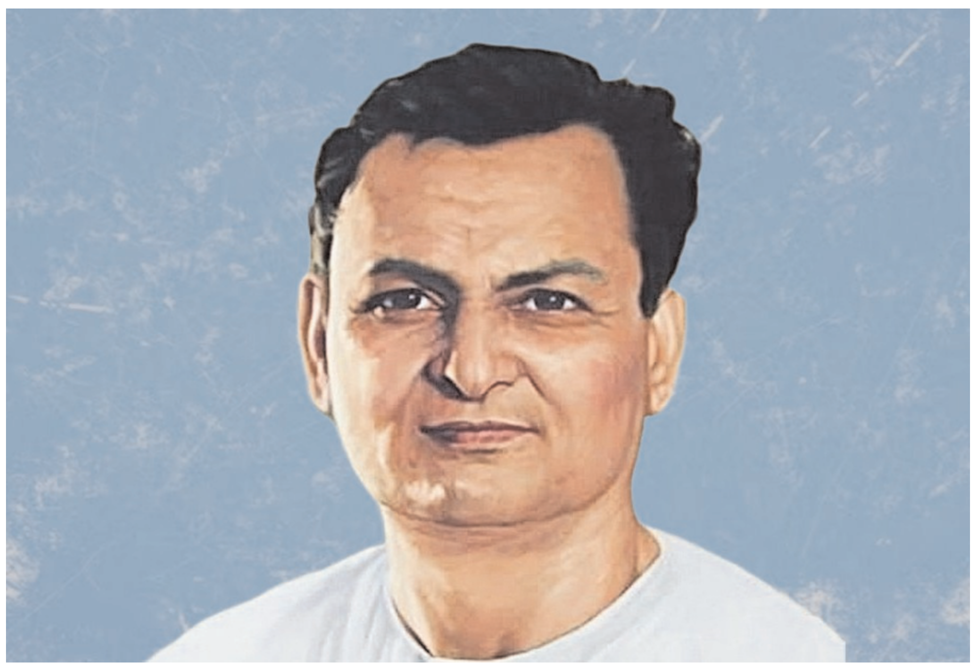

साथ-साथ भारतीय शैली की अमूल्य स्क्रॉल पेंटिंग भी मिली।

1926 में राहुल जी ने अपनी पहली तिब्बत यात्रा ज्यादातर पैदल तय की। उस यात्रा में उनका साथी केवल एक कुत्ता था। तिब्बत की उनकी बाद की यात्राओं में घोड़े तथा खच्चर यात्रा के साधन थे। उन्होंने लिखा है कि उनके पास जो पैसे थे उनमें से ज्यादातर यात्रा खर्च के लिए भी पर्याप्त नहीं थे। वह आगे लिखते हैं कि उन्हें कभी दूसरों से पैसा उधार लेना पसंद नहीं था, लेकिन तिब्बत में उन्हें इस व्यक्तिगत प्रवृत्ति को छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा।

1933-34 में अपनी दूसरी यात्रा के दौरान उन्होंने अपने उल्लेखनीय साथी, मित्र, दार्शनिक, कलाकार और भिक्षु 'गेदुन चोफेल' से मुलाकात की। राहुलजी के अनुसार तिब्बत एक सुनहरा पुल था जिस पर वे एक-दूसरे से मिले थे। उनकी दोस्ती पारस्परिक सम्मान पर आधारित थी और दोनों ने एक-दूसरे की सोच और दृष्टिकोण को प्रभावित किया। वह गेदुन चोफेल को लेकर भारत वापिस लौटे जिसे तिब्बती विद्वान ने अपने सपने का साकार होना बताया।भारत और तिब्बत के बीच के प्रगाढ़ संबंधों को उजागर करना है। उनकी तिब्बत से 22 खच्चर भर लाई गई पांडुलिपियां अनमोल हैं।महापंडित ने अपने गांव के स्कूल में केवल उर्दू का अध्ययन किया था, लेकिन 30 से अधिक भाषाओं में स्व-शिक्षित थे और 12 से अधिक में पारंगत थे। उन्होंने यात्रा वृतांत से लेकर उपन्यास तक 140 से अधिक ग्रंथ लिखे। उनका सबसे बड़ा योगदान आम जनता के लिए प्राचीन बौद्ध ग्रंथों का सरल हिंदी में अनुवाद करना रहा, जिससे यह सर्वसुलभ हो गया। उन्होंने तिब्बती-हिन्दी शब्दकोश भी लिखा। मूल बौद्ध सिद्धांतों को पढ़ने के लिए उन्होंने स्वयं पाली सीखी। बाद में वे श्रीलंका गये जहां उन्होंने संस्कृत पढ़ाई।राहुल सांकृत्यायन द्वारा लाई गईं अधिकांश पांडुलिपियां काशी प्रसाद जायसवाल संस्थान, पटना में संरक्षित हैं। श्री जयसवाल स्वयं एक प्रसिद्ध इतिहासकार और वकील थे जिन्होंने महापंडित को उनकी यात्राओं के वित्तपोषण और पांडुलिपियों के अनुवाद में सहायता की।राहुल सांकृत्यायन को साहित्य अकादमी और पद्म भूषण सहित कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया । उन्होंने त्रिपटक ग्रंथ का गहन अध्ययन किया और उन्हें' त्रिपटकाचार्य' की उपाधि दी गई । उनकी रचनाएं मुख्य रूप से हिंदी में हैं, जिसके कारण अंग्रेजी भाषी अभिजात वर्ग द्वारा इसे नजरअंदाज कर दिया गया है। उनके समकालीन ज्ञानी उन्हें विलक्षण प्रतिभा का धनी मानते थे। पं. जवाहर लाल नेहरू ने कहा था, 'मैं केवल एक ही राहुल को जानता हूं जो विलक्षण हैं।'हमारा देश वर्तमान में 'सांस्कृतिक पुनरुद्धार' पर की ओर अग्रसर है। हमें महापंडित जैसे लोगों का अध्ययन करने और उनके योगदान से सीखने की जरूरत है। राहुल सांकृत्यायन ने जनमानस की चेतना से मिटाए गए ग्रंथों को फिर से खोजा। उनका लेखन भारत और तिब्बत के बौद्ध संबंधों और विरासत को समझने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।महापंडित का जीवन 'चरैवेति ङ्कचरैवेति' वाक्यांश में समाहित है, जिसका अर्थ है निरंतर चलते रहो। 'बदलाव' भी उनके जीवन का उपयुक्त वर्णन होगा। राहुल सांकृत्यायन भारतीय ज्ञान तथा परंपरा के प्रतीक हैं जिसे पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। उन्होंने अपना समय एवं ऊर्जा, हमारे प्राचीन ग्रंथों और संस्कृति के अध्ययन की पुनः खोज और उनके माध्यम से भारत और तिब्बत के बीच के संबंधों को और भी प्रगाढ़ करने में समर्पित किया जिसके लिये वह साधुवाद के भागी हैं।करीब 100 साल पहले राहुल सांकृत्यायन द्वारा तिब्बत से लाई गई विश्व प्रसिद्ध पांडुलिपियां आज भी अपने पूर्ण संरक्षण और अनुवाद की प्रतीक्षा कर रही हैं। यह धरोहर न केवल धार्मिक है, बल्कि प्राचीन भारत-चीन और तिब्बत संबंधों का सबसे बड़ा ऐतिहासिक प्रमाण भी है।राहुल सांकृत्यायन ने वर्ष 1929 से 1938 के बीच चार बार तिब्बत की दुर्गम यात्राएं की थीं। उन यात्राओं के दौरान उन्होंने मठों और गांवों का सघन सर्वेक्षण कर करीब 10 हजार ग्रंथ एकत्र किए थे। इस विशाल संग्रह का मुख्य हिस्सा उन्होंने बिहार एंड ओडिशा रिसर्च सोसाइटी, पटना को सौंपा था, जबकि दुर्लभ पांडुलिपियों का एक विशेष हिस्सा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण दिल्ली को दिया गया। दिल्ली के धरोहर भवन में रखी इन पांडुलिपियों में सबसे अद्भुत 'सेरडे' संस्करण है, जिसमें 108 पोथियां शामिल हैं। ये पांडुलिपियां हस्तनिर्मित कागज पर शुद्ध सोने की स्याही से लिखी गई हैं, जिन्हें 'कंजूर' यानी बुद्ध के प्रत्यक्ष वचन कहा जाता है। 'भोट' लिपि में लिखे गए इन 845 ग्रंथों को 20वीं शताब्दी की सबसे महत्वपूर्ण विश्व धरोहरों में गिना जाता है।ये ग्रंथ मात्र धार्मिक दस्तावेज नहीं हैं, बल्कि 7वीं से 11वीं शताब्दी (अर्ली मेडिवल पीरियड) के उस दौर का इतिहास हैं जब लगभग 400 वर्षों तक नालंदा, विक्रमशिला और ओदंतपुरी के विद्वान निरंतर तिब्बत और चीन की यात्रा करते थे। इन ग्रंथों में आचार्य पद्मसंभव, शान्तरक्षित और दीपांकर श्रीज्ञान जैसे विद्वानों के वृत्तांत दर्ज हैं।

आज का इतिहास

10 अप्रॅल की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

2008 - सर्वोच्च न्यायालय ने केन्द्रीय शिक्षण संस्थाओं और केन्द्र सरकार से सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थाओं में अन्य पिछड़े वर्गों के छात्रों के लिए 27त्न आरक्षण को संवैधानिक कराकर दिया। नान्दना एम निलकेनी को नेशनल काउंसिल ऑफ़ अणलायड इकोनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) का अध्यक्ष चुना गया।

पेरु के दक्षिणी इलाके में एक विमान दुर्घटना में पांच फ़्रांसीसी पर्यटकों की मौत।

2007 - अमेरिका के चार्ल्स सिमोनी अंतरिक्ष में पर्यटन के लिए पहुँचे।

2003 - इराक पर अमेरिका का कब्ज़ा।

2002 - 15 सालों में पहली बार एलटीटीई के सुप्रीमो वी. प्रभाकरण ने प्रेस कांफ़्रेस में भाग लिया।

2001 - भारत व ईरान के बीच तेहरान घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर।

2000 - पाकिस्तान को निर्गुट संगठन से निकालने का भारत का प्रस्ताव गुटनिरपेक्ष देशों के विदेश मंत्रियों के सम्मेलन में मंजूर।

1999 - भारत और पाकिस्तान के दो शीर्ष औद्योगिक संघों ने भारत-पाकिस्तान चैम्बर्स आफ़ कामर्स का विधिवत गठन किया।

1998 - उत्तरी आयरलैंड में कैथोलिक एवं प्रोटेस्टेंटों के मध्य समझौता सम्पन्न।

1917 - महात्मा गाँधी ने बिहार में 10 अप्रैल, 1917 को चंपारण सत्याग्रह की शुरुआत की।

1868 - इथियोपिया में ब्रिटिश और भारतीय सेना ने टेवॉड्रोज़ द्वितीय की सेना को हराया और इस युद्ध में 700 इथियोपियन मारे गये, जबकि सिर्फ़ दो ब्रिटिश-भारतीय सैनिक शहीद हुए।

10 अप्रॅल को जन्मे व्यक्ति

1824 - राम सिंह पठानिया - भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों में से एक थे।

1880 - सी. वाई. चिन्तामणि - स्वतंत्रता पूर्व भारत के प्रतिष्ठित संपादकों तथा उदारवादी दल के संस्थापकों में से एक थे।

1894 - घनश्यामदास बिड़ला - भारत के उद्योगपति, स्वतंत्रता-संग्राम सेनानी तथा बिड़ला परिवार के एक प्रभावशाली सदस्य।

1897 - प्रफुल्लचंद्र सेन - बंगाल के प्रमुख कांग्रेसी नेता, गांधी जी के अनुयायी और स्वतंत्रता सेनानी थे।

होम्योपैथी : सूक्ष्मता की शक्ति, स्वास्थ्य की व्यापकता

योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष 10 अप्रैल को 'होम्योपैथी' के जनक माने जाने वाले जर्मन मूल के चिकित्सक, महान विद्वान, शोधकर्ता, भाषाविद और उत्कृष्ट वैज्ञानिक डा. क्रिश्चियन फ्रेडरिक सैमुअल हैनीमैन के जन्मदिवस के अवसर पर 'विश्व होम्योपैथी दिवस' मनाया जाता है। होम्योपैथी को आधार बनाने के सिद्धांत से चिकित्सा विज्ञान की एक पूरी प्रणाली को प्राप्त करने का श्रेय डा. हैनीमैन को ही जाता है। इसीलिए उनके जन्मदिवस को 'विश्व होम्योपैथी दिवस' के रूप में मनाया जाता है। इस दिवस के आयोजन का उद्देश्य चिकित्सा की इस अलग प्रणाली के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा करने के साथ-साथ प्रत्येक व्यक्ति तक इसकी पहुंच की सफलता दर को आसानी से बेहतर बनाना है। 10 अप्रैल 1755 को जन्मे डा. हैनीमैन के पास एमडी की डिग्री थी लेकिन उन्होंने बाद में अनुवादक के रूप में कार्य करने के लिए अपनी नौकरी छोड़ दी थी। उसके बाद उन्होंने अंग्रेजी, फ्रांसीसी, इतालवी, ग्रीक, लैटिन इत्यादि कई भाषाओं में चिकित्सा, वैज्ञानिक पाठ्यपुस्तकों को सीखा। होम्योपैथी एक ऐसी चिकित्सा पद्धति है, जो औषधियों तथा उनके अनुप्रयोग पर आधारित है।

देश में प्रतिवर्ष केन्द्रीय आयुष मंत्रालय होम्योपैथी दिवस की थीम निर्धारित करता है और देशभर में यह विशेष दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष विश्व होम्योपैथी दिवस 'सतत स्वास्थ्य के लिए होम्योपैथी' विषय के साथ मनाया जा रहा है। विश्व होम्योपैथी दिवस के अवसर पर इस वर्ष डा. हैनीमैन की 271वीं जयंती मनाई जा रही है। इस दिवस के आयोजन का प्रमुख उद्देश्य भारत सहित दुनियाभर में होम्योपैथी औषधियों की सुरक्षा, गुणवत्ता और प्रभावकारिता को मजबूत करना, होम्योपैथी को आगे ले जाने की चुनौतियों और भविष्य की रणनीतियों को समझना, राष्ट्रीय नीतियों के विकास की रणनीति तैयार करना, अंतरपद्धति एवं अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान सहयोग, उच्चस्तरीय गुणवत्तापरक चिकित्सा शिक्षा, प्रमाण आधारित चिकित्सा कार्य और विभिन्न देशों में होम्योपैथी को स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं में समुचित स्थान दिलाकर सार्वभौमिक स्वास्थ्य के लक्ष्य को प्राप्त करना है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का भी मानना है कि वैकल्पिक और परम्परागत औषधियों को बढ़ावा दिए बगैर सार्वभौमिक स्वास्थ्य के लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया जा सकता और वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों में विश्व में होम्योपैथी का प्रमुख स्थान है।

अपनी कुछ अलग ही विशेषताओं के कारण होम्योपैथी आज विश्वभर में सौ से भी अधिक देशों में अपनाई जा रही है तथा भारत तो होम्योपैथी के क्षेत्र में विश्व का अग्रणी देश है। दरअसल होम्योपैथी दवाओं को विभिन्न संक्रमित और गैर संक्रमित बीमारियों के अलावा बच्चों और महिलाओं की बीमारियों में भी विशेष रूप से प्रभावी माना जाता है।

हालांकि होम्योपैथिक दवाओं के बारे में धारणा है कि इन दवाओं का असर रोगी पर धीरे-धीरे होता है लेकिन इस चिकित्सा प्रणाली की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि यह रोगों को जड़ से दूर करती है और इन दवाओं के साइड इफेक्ट भी नहीं के बराबर होते हैं। होम्योपैथी दवाएं प्रत्येक व्यक्ति पर अलग तरीके से काम करती है और अलग-अलग व्यक्तियों पर इनका असर भी अलग ही होता है। होम्योपैथी चिकित्सकों की मानें तो डायरिया, सर्दी-जुकाम, बुखार जैसी बीमारियों में होम्योपैथी दवाएं एलोपैथी दवाओं की ही भांति तीव्रता से काम करती हैं लेकिन अस्थमा, गठिया, त्वचा रोगों इत्यादि को ठीक करने में ये दवाएं काफी समय तो लेती हैं मगर इन रोगों को जड़ से खत्म कर देती हैं। होम्योपैथी के बारे में सरदार वल्लभभाई पटेल का कहना था कि होम्योपैथी को चमत्कार के रूप में माना जाता है।

केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद के अनुसार चिकित्सा का ही एक वैकल्पिक रूप है होम्योपैथी, जो 'समः समम् शमयति' अथवा 'समरूपता' दवा सिद्धांत पर आधारित है, जो दवाओं द्वारा रोगी का उपचार करने की ऐसी विधि है, जिसमें किसी स्वस्थ व्यक्ति में प्राकृतिक रोग का अनुरूपण करके समान लक्षण उत्पन्न किया जाता है, जिससे रोगग्रस्त व्यक्ति का उपचार किया जा सकता है। भारत में होम्योपैथी सबसे लोकप्रिय चिकित्सा प्रणालियों में से एक है। देशभर में 210 से ज्यादा होम्योपैथी अस्पताल, 8 हजार से ज्यादा होम्योपैथी डिस्पेंसरी और करीब तीन लाख होम्योपैथी प्रैक्टिशनर हैं। भारत में आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में विश्व होम्योपैथी दिवस मनाया जाता है। दिखने में भले ही होम्योपैथी दवाएं एक जैसी लगती हैं किन्तु वास्तव में विश्वभर में होम्योपैथी की 4000 से भी ज्यादा तरह की दवाएं हैं। होम्योपैथी के संस्थापक माने जाने वाले सैमुअल हैनीमैन का कहना था कि इलाज का उच्चतम आदर्श सबसे भरोसेमंद और कम से कम हानिकारक तरीके से स्वास्थ्य की तेज, कोमल और स्थायी बहाली है। चूंकि होम्योपैथी की अनेक दवाओं का प्रभाव रोगी के शरीर पर अपेक्षाकृत धीमी गति से प्रकट होता है जबकि एलोपैथी त्वरित राहत देने के लिए जानी जाती है, इसलिए लोकप्रियता के पैमाने पर दोनों पद्धतियों की तुलना अक्सर की जाती है। फिर भी यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि होम्योपैथी आज भी विश्वभर में सबसे अधिक प्रचलित वैकल्पिक चिकित्सा प्रणालियों में शामिल है। इसका कारण केवल इसकी सुलभता या कम लागत नहीं बल्कि इसकी वह विशिष्ट उपचार पद्धति है, जो शरीर को स्वयं को संतुलित और स्वस्थ करने की दिशा में प्रेरित करती है। होम्योपैथिक उपचार रोग के लक्षणों को दबाने के बजाय उसके मूल कारण तक पहुंचने का प्रयास करता है, जिससे रोग की पुनरावृत्ति की संभावना भी कम हो जाती है। यह पद्धति व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक पहलुओं को एक साथ ध्यान में रखती है, जिससे उपचार अधिक समग्र और प्रभावी बनता है। साथ ही, प्राकृतिक स्रोतों से निर्मित और अत्यंत सूक्ष्म मात्रा में दी जाने वाली दवाएं सामान्यतः दुष्प्रभाव रहित मानी जाती हैं तथा अन्य दवाओं के साथ प्रतिकूल प्रतिक्रिया की संभावना भी न्यूनतम होती है। यही कारण है कि आज के जटिल और दुष्प्रभाव-प्रधान चिकित्सा परिवेश में होम्योपैथी एक सुरक्षित, संतुलित और दीर्घकालिक स्वास्थ्य समाधान के रूप में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रही है।

(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और 'सागर से अंतरिक्ष तक- भारत की रक्षा क्रांति' सहित कई पुस्तकों के लेखक हैं)

आज का राशिफल

मेष- स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी को हानी पंहुचाने की चेष्टा न करें, अन्यथा हानि संभव है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शुभांक-5-6-8

वृष- अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-7-8

मिथुन- शनै-शनै स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। शुभांक-2-6-9

कर्क- मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें, उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। इच्छित कार्य सफल होंगे। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-6-7-9

सिंह- कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का परिणाम मिल जाएगा। शुभांक-4-6-7

कन्या- स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-4-6-8

तुला- कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-5-7

वृश्चिक- अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। शुभांक-5-6-8

धनु- धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धम-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। समय पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मकर- परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-5-6-9

कुंभ- पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-3-8-9

मीन- मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। शुभांक-3-5-6

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com•garvigujarat2007@yahoo.com•Website : www.garvigujarat.co.in

25 साल पुराने कॉलेज में 872 छात्र, शिक्षक मात्र दो , एक शिक्षक कई विषयों की दे रहे जानकारी

लखनऊ, एजेंसी। यूपी के कई जिलों के राजकीय कॉलेजों में कहीं पर छात्रों की कमी है तो कहीं पर शिक्षकों का टोटा है। लखीमपुर खीरी में पलिया कला के राजकीय महाविद्यालय में विभाग की उपेक्षा से छात्रों की संख्या घट रही है।उत्तर प्रदेश की उच्च शिक्षा में बड़ा उलटफेर और विरोधाभास नजर आ रहा है। इसकी बानगी श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज महाविद्यालय राजकीय पलिया कला, लखीमपुर खीरी में देखने को मिली। एक तरफ जहां रायबरेली और सीतापुर के राजकीय कॉलेजों में छात्रों का टोटा है। वहीं, इस कॉलेज में 872 छात्र हैं लेकिन शिक्षक मात्र दो ही हैं। शिक्षक न होने से छात्रों की संख्या साल दर साल घट रही है।प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों में एक और नेपाल सीमा के नजदीक लखीमपुर में 2001 में राजकीय महाविद्यालय, पलिया कला शुरू किया गया। जिले का एकमात्र कॉलेज होने

का फायदा भी मिला। हर साल यहां काफी संख्या में छात्र आने लगे। कॉलेज कुछ वर्षों से विभाग की उपेक्षा का शिकार हो रहा है। हालत यह है कि यहां इस समय बीए और बीकॉम में कुल 872 छात्र-छात्राएं हैं।कॉलेज में दो शिक्षक हैं जबकि जरूरत कम से कम आधा दर्जन से ज्यादा शिक्षकों की है। डॉ. सूर्य प्रकाश शुक्ला प्राचार्य का दायित्व निभाने के साथ ही अपना विषय संस्कृत पढ़ाते हैं। छात्रों को हिंदी के बारे में भी जानकारी देते हैं। कभी कभी भूगोल और समाजशास्त्र की सामान्य जानकारी भी देते हैं।बीकॉम में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. वसीम खान अपने विषय से संबंधित छात्रों को पढ़ाते हैं। बाकी छात्र कोचिंग या खुद मेहनत कर कोर्स पूरा करते हैं। दोनों शिक्षक जैसे-तैसे छात्रों को मैनेज करते हैं। हालांकि शिक्षकों की कमी का असर कॉलेज पर पड़ना शुरू हो गया है। कॉलेज में नामांकन तो 872 छात्रों का है लेकिन उपस्थिति 250 से 300 तक सिमट गई है। प्राचार्य कहते हैं कि वह संस्कृत विषय पढ़ाते हैं तो कई विषयों के बारे में छात्रों को अपेक्षित जानकारी नहीं दे पाते हैं। शायद यही वजह है कि सभी छात्र नियमित नहीं आते हैं। अमूमन हर दिन 250-300 छात्र ही आते हैं। उन्होंने बताया कि अक्सर दूसरे कॉलेजों के शिक्षकों को बुलाकर विशेषज्ञ व्याख्यान कराते हैं।डॉ. शुक्ला ने बताया कि यह कॉलेज का 25वां साल है। साल 2020-21 से वे यहां प्राचार्य हैं। पहले चार-पांच शिक्षक थे। कुछ शिक्षक तबादला लेकर चले गए। दो शिक्षक आए थे। उन्होंने पिछले साल अपना तबादला फतेहपुर के बिंदिकी और वाराणसी के चंदौली में करा लिया। जब मैं आया था तो यहां करीब 4000 छात्र थे जो अब 872 रह गए हैं शिक्षक भी घटकर दो रह गए।

स्मार्ट क्लास और वाई-फाई भी : महाविद्यालय में 14 क्लास रूम, लाइब्रेरी, कंप्यूटर लैब और स्मार्ट क्लास है। वाटर कूलर और वाई-फाई भी है। यहां आने वाली मुख्य सड़क खस्ताहाल है। कॉलेज पलिया नगर सीमा के बाहर ग्रामीण इलाके में पड़ता है। इसके कारण शिक्षक रुकने से कतराते हैं।प्राचार्य डॉ. सूर्य प्रकाश शुक्ला का कहना है कि कॉलेज थोड़ा पिछड़े इलाके में होने से शिक्षक नियमित नहीं रुक रहे। शिक्षकों की तैनाती के लिए उच्च शिक्षा निदेशक व विभागीय अधिकारियों को लिखा है। अगर शिक्षक नियमित रहें तो छात्र बढ़ सकते हैं।बीए प्रथम वर्ष के छात्र अमन कुमार का कहना है कि शिक्षकों की कमी से दिक्कत हो रही है। कई विषयों की जानकारी नहीं मिल पाती है। पत्राचार जैसी पढ़ाई हो रही है।

पश्चिमी यूपी के कई युवक आतंकी मॉड्यूल से जुड़े, एटीएस ने शामली से छह को उठाया ; पाकिस्तान कनेक्शन आया सामने

लखनऊ, एजेंसी। संदिग्ध आतंकियों के मॉड्यूल से पश्चिम यूपी के कई युवक जुड़े हुए हैं। आरोपियों के पास से बरामद सुबूत व उनसे पूछताछ में शामली के युवकों के नाम सामने आए हैं। यह तथ्य सामने आने के बाद एटीएस शामली से छह युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। आशंका है कि ये सभी सोशल मीडिया के जरिये इस मॉड्यूल व पाकिस्तानी हैंडलर्स के संपर्क में थे। दरअसल, एटीएस ने लखनऊ में चारबाग रेलवे स्टेशन पर धमाका करने आए चार संदिग्ध आतंकियों को बीते दिनों गिरफ्तार किया था। इसमें मेरठ के साकिब, अरबाब व गौतमबुद्धनगर के लोकेश व विकास शामिल थे। एटीएस इन सभी को रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है। सूत्रों के मुताबिक पूछताछ में पश्चिम यूपी के एक दर्जन से अधिक युवकों का संपर्क मॉड्यूल से होने का खुलासा हुआ है। ये सब सोशल मीडिया के जरिये जुड़े थे। इनमें शामली के छह युवकों की अहम भूमिका का पता चलने पर एटीएस ने इन सभी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। पूछताछ के बाद अगर पुख्ता तथ्य मिलते हैं और साक्ष्यों की तस्दीक हो जाती है तो इनके खिलाफ भी कार्रवाई होगी।

रोज लाइन में लगते हैं...पर नहीं मिलता भरा सिलिंडर

लखनऊ , एजेंसी। रोज खाली सिलिंडर लेकर इस आशा के साथ लाइन में लगते हैं कि शायद आज भरा सिलिंडर मिल जाए, लेकिन रोज खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। सबसे ज्यादा परेशान नौकरी-पेशा वाले हैं। बुधवार को आशियाना क्षेत्र के किला मोहम्मदी में संचालित एचपी गैस एजेंसी के संचालक के खिलाफ उनका गुस्सा फूट पड़ा और वे खाली सिलिंडर लेकर आशियाना थाने शिकायत करने पहुंच गए।थाने पहुंचे उपभोक्ताओं का आरोप है कि उनकी गैस बुकिंग है और ओटीपी भी आ चुकी है। इसके बावजूद वे एक हफ्ते से रोज काम छोड़कर गैस सिलिंडर के लिए लाइन लगा रहे हैं, लेकिन एजेंसी मैनेजर न फोन रिसीव करते हैं और न ही स्पष्ट जानकारी देते हैं। पीड़ितों के अनुसार सुबह 7 बजे खाली सिलिंडर लेकर एजेंसी पहुंच जाते हैं, लंबी कतारें भी लगती हैं, लेकिन दिन के 11 बजे तक सिलिंडर की गाड़ी ही नहीं पहुंचती। मामले में आशियाना इंस्पेक्टर छत्रपाल सिंह ने बताया कि उपभोक्ताओं की शिकायत पर एजेंसी के मैनेजर को गैस सिलिंडर उपलब्ध कराने की हिदायत दी गई है।

गर्मी की छुट्टियों में वाराणसी और अयोध्या से दिल्ली के लिए चलेंगी तीन समर स्पेशल

वाराणसी, एजेंसी। गर्मी की छुट्टियों में यात्रियों के लिए उत्तर रेलवे तीन समर स्पेशल ट्रेन चलाएगा। लखनऊ मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (सीनियर डीसीएम) कुलदीप तिवारी ने बताया कि वाराणसी और अयोध्या से दिल्ली के लिए तीन ट्रेनें चलाई जाएंगी। वाराणसी और दिल्ली के बीच गाड़ी संख्या 04209 15 से 20 अप्रैल और फिर 27 अप्रैल से 15 जुलाई तक चलेगी। यह ट्रेन सप्ताह में तीन दिन सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को वाराणसी से रात 10.15 बजे प्रस्थान करेगी। अयोध्या कैंट से आनंद विहार के बीच ट्रेन संख्या 04213 का संचालन 16 अप्रैल से शुरू होगा। यह ट्रेन रविवार और गुरुवार को अयोध्या से शाम 6:20 बजे रवाना होकर लखनऊ के रास्ते सुबह 6.00 बजे आनंद विहार पहुंचेगी। राजधानी लखनऊ से नई दिल्ली के लिए भी एक विशेष साप्ताहिक ट्रेन (04203) 20 अप्रैल से 13 जुलाई तक हर सोमवार को चलाई जाएगी। यह ट्रेन सुबह 8.05 बजे लखनऊ से चलकर शाम 6.30 बजे दिल्ली पहुंचेगी।सीनियर डीसीएम कुलदीप तिवारी ने बताया कि यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रख रेलवे ने सभी स्पेशल ट्रेनों में वातानुकूलित, स्लीपर और सामान्य श्रेणियों के डिब्बे लगाने का निर्णय लिया है। इन अतिरिक्त फेरों से भीड़ कम होने के साथ गर्मियों की छुट्टियों में घर जाने वाले प्रवासियों और पर्यटकों को भी बड़ी राहत मिलेगी।

48 घंटे में ठीक होंगी खराब स्ट्रीट लाइटें, शिकायत के लिए लगेगा क्यूआर कोड

वाराणसी, एजेंसी। निगम प्रशासन ने ऐसी शिकायतों का निस्तारण 48 घंटे के भीतर करने का लक्ष्य तय किया है। शहर के चिह्नित 18 वार्डों में 999 सोलर लाइट और 130 हाई मास्ट लाइट लगाने की योजना को लागू करने का निर्देश दिया गया।

अफसरों को निर्देश जारी : बैठक में बताया गया कि शहर की अधिकांश स्ट्रीट लाइटें ईईएसएल कंपनी की हैं, जिनके रखरखाव की अवधि दिसंबर में समाप्त हो चुकी है। फिलहाल नगर निगम अपने स्तर पर व्यवस्था संभाल रहा है। इस पर महापौर ने नई फर्म के चयन के लिए जल्द टेंडर प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए। साथ ही दो हजार स्ट्रीट लाइटों का स्टॉक रखने को कहा, ताकि खराब लाइटों को तुरंत बदला जा सके।महापौर ने पार्षदों के कोटे से स्वीकृत स्ट्रीट लाइटों को एक सप्ताह के भीतर लगाने की समय-सीमा तय की। नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने नगर निगम की आय बढ़ाने और खर्च कम करने के लिए नवाचार पर जोर दिया। उन्होंने प्रस्ताव रखा कि इस बार देव दीपावली पर किराए की झालरों के बजाय निगम स्वयं झालरें खरीदकर कुछ घाटों और कुंडों को सजाने का प्रयोग करेगा, जिससे भविष्य में खर्च कम होगा। परिवहन विभाग की समीक्षा में महापौर ने निर्देश दिया कि अब निगम के वाहनों की मरम्मत वर्कशॉप में नहीं होगी, बल्कि अधिकृत सर्विस सेंटर से ही सर्विसिंग कराई जाएगी। साथ ही जोनल स्वच्छता अधिकारियों को फील्ड में सक्रिय रहकर कहीं भी कूड़ा दिखने पर तत्काल सफाई कराने के निर्देश दिए गए।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का विकास क्रमिक, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस दें रहे हैं तकनीक को नई दिशा; बताई उपयोगिता

वाराणसी, एजेंसी। आईआईटी बीएचयू और थिंक इंडिया के तत्वावधान में आयोजित एआई समिट में वक्ताओं ने वर्तमान समय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की उपयोगिता पर चर्चा की। इसमें थिंक इंडिया, मेटा, सूचना प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग सहित देश के विभिन्न संस्थानों से 350 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। समारोह में मुख्य अतिथि, आईआईटी कानपुर के निदेशक पद्मश्री प्रो. मनींद्र अग्रवाल ने कहा कि एआई का विकास क्रमिक रहा है और भारत में बन रहे सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इस तकनीक को नई दिशा दे रहे हैं।विशिष्ट अतिथि के रूप में ऑनलाइन जुड़े सूचना प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के मंत्री सुनील कुमार शर्मा

ने कहा कि आज भारत तकनीक के क्षेत्र में एक वैश्विक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है। सरकार एआई के नैतिक उपयोग और इसके माध्यम से नागरिक सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है। बीएचयू के कुलपति प्रो. अजीत कुमार चतुर्वेदी ने विद्यार्थियों को कहा कि आज हम जिस दौर में हैं, वहां तकनीक हमारी दिनचर्या का अभिन्न अंग बन चुकी है। प्रत्येक व्यक्ति, और विशेषकर विद्यार्थियों, को पहले यह विश्लेषण करना चाहिए कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग हमारे समाज पर क्या दीर्घकालिक प्रभाव डालने वाला है या नहीं।

वैचारिक क्रांति है एआई : आईआईटी बीएचयू के निदेशक प्रो. अमित पात्रा ने कहा कि यदि हम अंग्रेजी में ÷द्धठ्ठस्रद्बड्ड÷ शब्द को उल्टा पढ़ें, तो एआई शब्द सबसे पहले उभरकर आता है। आईआईटी बीएचयू के इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के अध्यक्ष प्रो. आरके सिंह और थिंक इंडिया के अखिल भारतीय प्रमुख सुमित पाण्डेय ने एआई पर अपने विचार साझा किए।

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतीहारी के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि एआई केवल एल्गोरिद्म का समूह नहीं है, बल्कि यह एक वैचारिक क्रांति है।काशी विद्यापीठ के कुलपति प्रो. एके त्यागी ने कहा कि वर्तमान समय में विश्वविद्यालयों की भूमिका बदल रही है और एआई के समावेश से शोध और नवाचार के नए द्वार खुले हैं।

जीएसटी संग्रह में देश में दूसरे स्थान पर यूपी, पोस्ट सेटलमेंट वृद्धि में नंबर एक

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश को एसजीएसटी और आईजीएसटी से कुल 84.80 हजार करोड़ रुपये मिले। इसमें से 2.37 हजार करोड़ रुपये की रिकवरी के बाद नेट संग्रह 82.42 हजार करोड़ रुपये रहा। इस आधार पर उत्तर प्रदेश देश में दूसरे स्थान पर रहा।उत्तर प्रदेश ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। राज्य कर विभाग के आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में प्रदेश नेट कलेक्शन के आधार पर देश में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। पोस्ट सेटलमेंट वृद्धि के मामले में राज्य ने देश में पहला स्थान प्राप्त किया है।जारी आंकड़ों के मुताबिक, उत्तर प्रदेश को एसजीएसटी और आईजीएसटी से कुल 84.80 हजार करोड़ रुपये मिले। इसमें से 2.37 हजार करोड़ रुपये की रिकवरी के बाद नेट

संग्रह 82.42 हजार करोड़ रुपये रहा। इस आधार पर उत्तर प्रदेश देश में दूसरे स्थान पर रहा। महाराष्ट्र 1.84 लाख करोड़ रुपये के नेट संग्रह के साथ पहले स्थान पर है। मार्च 2026 में राज्य का संग्रह 7.53 हजार करोड़ रुपये रहा। यह पिछले वर्ष की तुलना में आठ प्रतिशत अधिक है। यह वृद्धि मजबूत आर्थिक गतिविधियों का संकेत है।नेट संग्रह की स्थितिः वित्त वर्ष 2025-26 में उत्तर प्रदेश का एसजीएसटी और आईजीएसटी कलेक्शन 82.42 हजार करोड़ रुपये रहा। यह महाराष्ट्र के 1.84 लाख करोड़ रुपये के बाद दूसरा सबसे बड़ा संग्रह है।

रिटायर्ड एडिशनल कमिश्नर केशव लाल के पास मिली 100 करोड़ की संपत्ति, विजिलेंस जांच में हुआ खुलासा

लखनऊ, एजेंसी। वाणिज्य कर विभाग के सेवानिवृत्त एडिशनल कमिश्नर केशव लाल के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला सामने आया है। विजिलेंस जांच में उनके पास 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति का खुलासा हुआ है। इसके बाद विजिलेंस के कानपुर सेक्टर में उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। केस की विवेचना राजपत्रित अधिकारी को दी गई है।मूल रूप से चंदौली जिले के बम्हनियांव गांव के रहने वाले केशव लाल वर्तमान में नोएडा के सेक्टर-34 में रहते हैं। 2017 में जब उनकी तैनाती कानपुर में थी, तब 19 अप्रैल को आयकर विभाग ने उनके आवास पर छापा मारा था। उस दौरान करीब 10 करोड़ रुपये नकद और 3 करोड़ रुपये की ज्वैलरी बरामद हुई थी। नोएडा स्थित घर के गद्दों, पूजा रूम और अलमारी से नोटों की गड्डियां मिली थी। यही नहीं बाथरूम के बंद पड़े फ्लश और बैडरूम से भी नोटों की गड्डियां मिली थीं। जांच के दौरान वह इसका ब्योरा नहीं दे सके।इसके बाद मई 2017 में उन्हें अनिवार्य सेवानिवृत्ति दे दी गई थी और मामले की जांच विजिलेंस को सौंप दी गई थी। आगे की जांच में उनकी संपत्ति आय से कई गुना अधिक (100 करोड़ से अधिक) पाए जाने की पुष्टि हुई। विजिलेंस ने अपनी जांच रिपोर्ट शासन को भेजी थी।

अब एक साथ नहीं होगी शहर के मुख्य स्कूलों की छुट्टी, जाम से बचने के लिए बनाई गई गाइडलाइन; लगेगा जुर्माना

लखनऊ, एजेंसी। डीजीपी राजीव कृष्ण ने शहरों में ट्रैफिक जाम की समस्या को दूर करने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की है। इसमें यातायात विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों व संबंधित थानों के प्रभारियों की जिम्मेदारी भी तय की गई है। साथ ही नो एंट्री, नो पार्किंग, गलत दिशा में ड्राइविंग, अतिक्रमण, ई-रिक्शा संचालन के संबंध में निर्देश दिए गए हैं। एसओपी में आसपास के दफ्तरों और स्कूलों के छूटने के समय में 15-15 मिनट के अंतराल की सिफारिश भी की गई है।दरअसल, डीजीपी ने मंगलवार को 20 शहरों के 172 मार्गों को ट्रैफिक जाम से मुक्त कराने के लिए रिड्यूसिंग ट्रैफिक कंजेशन स्कीम (सीआरटीसी) की शुरुआत की थी। इसी क्रम में एसओपी जारी

की गई है। इसमें रूट मार्शल की तैनाती, यात्रा का समय कम करने का जिक्र है। साथ ही व्यस्त चौराहों व तिराहों के 100 मीटर के क्षेत्र को पूरी तरह खाली रखने को कहा गया है। इस क्षेत्र में किसी भी सवारी तो उतारा या बैठाया नहीं जा सकेगा। अधिक यातायात दबाव वाले क्षेत्रों में पीक ऑवर में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती होगी। नो एंट्री का उल्लंघन करने पर 20 हजार रुपये, नो पार्किंग एवं अवैध पार्किंग पर पहली बार में 500 रुपये और उसके बाद 2000 रुपये जुर्माना, गलत दिशा में वाहन चलाने पर 2000 रुपये जुर्माना लेने का निर्देश दिया गया है। अतिक्रमण हटवाने, सड़कों को चौड़ा करने, मुख्य मार्गों को ई-रिक्शा मुक्त क्षेत्र घोषित करने समेत कई अन्य उपाय भी बताए गए हैं।

शहर के अलग-अलग इलाकों में लगा जाम : सीआरटीसी योजना के तहत कराए गए सर्वे में राजधानी के दो मुख्य मार्गों पर लगने वाले ट्रैफिक जाम की हकीकत सामने आई है। बख्शी का तालाब से पॉलीटेक्निक और आलमबाग स्थित अवध चौराहा से दुबग्गा मार्ग के सर्वे से पता चला कि पीक आवर्स में इन रास्तों पर यात्रा का समय न्यूनतम की तुलना में 10 से 15 गुना तक बढ़ जाता है। बख्शी का तालाब से पॉलिटेक्निक मार्ग की कुल लंबाई 16.26 किलोमीटर है।

पूरा प्रदेश बेमौसम बारिश की चपेट में, गेहूं के खेतों में भरा पानी; सीएम बोले किसानों की होगी क्षतिपूर्ति

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के कई जिलों में असमय बारिश, ओलावृष्टि और कुछ जगहों पर आग लगने से रबी फसलों को हुए नुकसान पर चिंता जताई है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रभावित किसानों और बटाईदारों को तुरंत राहत और क्षतिपूर्ति दी जाए, ताकि उन्हें किसी तरह की परेशानी न हो।मुख्यमंत्री ने बुधवार को हुई उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में कहा कि खराब मौसम के कारण किसानों का चिंतित होना स्वाभाविक है और राज्य सरकार पूरी तरह उनके साथ खड़ी है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि हर प्रभावित किसान के नुकसान का सही और निष्पक्ष आकलन समय पर किया जाए और रिपोर्ट जल्द शासन को भेजी जाए, जिससे मुआवजा देने में देरी न हो।मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जिला स्तर पर राजस्व, कृषि और अन्य संबंधित विभाग मिलकर तेजी से सर्वे करें। साथ ही बीमा कंपनियों के साथ समन्वय बनाकर फसल बीमा के दावों का जल्द निस्तारण कराया जाए। अधिकारियों को

किसानों से सीधे संपर्क कर उन्हें बीमा योजनाओं का लाभ दिलाने के भी निर्देश दिए।मुख्यमंत्री ने राजस्व विभाग को निर्देश दिया कि राज्य आपदा राहत कोष से जिलों को तुरंत पर्याप्त राशि उपलब्ध कराई जाए। जिलाधिकारी यह सुनिश्चित करें कि किसानों को पारदर्शी और त्वरित तरीके से सहायता मिले। जरूरत पड़ने पर प्रभावित क्षेत्रों में राहत शिविर भी लगाए जाएं और मंडी समितियों के माध्यम से किसानों को हर संभव सहयोग दिया जाए।

आग लगने की घटनाओं पर विशेष संवेदनशीलता बरतें : अग्निकांड की घटनाओं को लेकर मुख्यमंत्री ने विशेष संवेदनशीलता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि कहीं जनहानि या पशुहानि होती है तो 24 घंटे के भीतर राहत राशि दी जाए और पात्र लोगों को कृषक दुर्घटना बीमा योजना का लाभ मिले। जिन परिवारों के घर क्षतिग्रस्त या पूरी तरह नष्ट हो गए हैं, उन्हें मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत प्राथमिकता पर घर उपलब्ध कराया जाएगा। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि राहत और पुनर्वास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई तय की जाएगी।प्रदेश में जारी बेमौसम वर्षा, तड़ित झंझावत और ओलावृष्टि के दौर से बृहस्पतिवार से राहत मिलने की उम्मीद है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, शुक्रवार से राज्य में मौसम पूरी तरह शुष्क हो जाएगा, जिससे लोगों को राहत मिलेगी। यह मौसमी बदलाव एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ और निचले क्षोभमंडल में बने चक्रवाती परिसंचरण के कारण हो रहा था, जिसने पूरे प्रदेश को प्रभावित किया है।आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार, एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ मध्य एवं ऊपरी क्षोभमंडल में बना हुआ था। यह उत्तरी पाकिस्तान और संलग्न जम्मू-कश्मीर के आसपास एक चक्रवाती परिसंचरण के रूप में केंद्रित था। इसके अतिरिक्त, निचले क्षोभमंडल में प्रदेश के उत्तर-पश्चिमी भाग पर एक और चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है। यह परिसंचरण मणिपुर तक एक द्रोणी के रूप में फैला हुआ है, जिससे राज्य के विभिन्न हिस्सों में बारिश और ओलावृष्टि हुई। बुधवार को प्रदेश के ऊपरी क्षोभमंडल से इन मौसमी प्रणालियों में प्रभावी कमी आने की संभावना है। इस कमी के बाद बृहस्पतिवार से मौसम में धीरे-धीरे सुधार शुरू हो जाएगा। शुक्रवार से मौसम पूर्णतया शुष्क होने की संभावना है, जिससे किसानों को बड़ी राहत मिलेगी।

तापमान में उतार-चढ़ाव का अनुमान : मौसम में सुधार के साथ ही प्रदेश के अधिकतम तापमान में भी महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिलेगा। आगामी चौबीस घंटों के दौरान अधिकतम तापमान में छह से आठ डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की जा सकती है। यह गिरावट हल्की ठंडक का अनुभव कराएगी। हालांकि, उसके बाद के दिनों में तापमान में आठ से दस डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होने की संभावना है। यह बढ़ोतरी मौसम को सामान्य स्थिति में लाएगी और गर्मी का अनुभव कराएगी।

ढाई करोड़ खर्च के बाद भी टूट रहा नीलम रेलवे पुल, फरीदाबाद महानगर प्राधिकरण में लापरवाही का नया मामला

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद महानगर प्राधिकरण द्वारा कराए जा रहे विकास कार्यों में खूब हीलाहवाली की जा रही है। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि ठेकेदार को पूरी छूट दी हुई है, तभी जो काम हो रहे हैं, उनमे लापरवाही सामने आ रही हैं। ताजा मामला नीलम रेलवे पुल से जुड़ा है। करीब ढाई करोड़ की लागत से की गई मरम्मत के बाद इसमें कई खामियां सामने आ रही हैं। इसकी शिकायत एंटी करप्शन ब्यूरो से की गई थी। बुधवार को ब्यूरो की पंचकूला से इंजीनियरिंग शाखा से टीम आई और जगह-जगह नमूने लिए। इनकी जांच के बाद आगामी कार्रवाई होगी। यह शिकायत आरटीआइ कार्यकर्ता अजय सैनी द्वारा की गई थी। नीलम व बड़खल रेलवे पुल की मरम्मत का प्राधिकरण द्वारा एक ही टेंडर चार करोड़ तीन लाख रुपये का छोड़ा गया था। नीलम रेलवे पुल की सड़क, फुटपाथ, रेलिंग, पिलर व डिवाइडर की मरम्मत की गई थी। कुछ महीने बाद पुल के फुटपाथ पर टाइलें उखड़ गई, पुल की दोनों लेन पर कई जगह सड़क टूटने लगी हैं।

सड़क पर भी दरारें दिखाई दे रही हैं। लापरवाही की बात यह है कि पुल के ठीक बीचोंबीच जर्जर रेलिंग को तोड़ा नहीं जा सका है। यहां तक कि इसे तोड़ने के लिए रेलवे के पास कोई पत्र भी नहीं लिखा है। यह जर्जर रेलिंग कभी भी गिर सकती है। अधिकारियों ने यहां डिवाइडर की मजबूती की जांच किए बिना स्ट्रीट लाइटों के खंभे लगाने की योजना तैयार कर ली थी। इतना ही नहीं इसका टेंडर छोड़ दिया, वर्क अलाट भी कर दिया। जब ठेकेदार के कर्मचारी स्ट्रीट लाइट के खंभे लगाने के लिए आए तो देखा कि डिवाइडर पर आधार बनाया ही नहीं जा सकता। क्योंकि नए खंभों के पोल बड़े हैं, डिवाइडर इतना भार सहन ही नहीं कर पाएगा। यदि आंधी आ गई तो पोल गिर भी सकते हैं। वैसे भी पुल करीब 45 साल पुराना हो चुका है। इस कारण यहां नए खंभे लगाने की योजना टल गई थी।

ब्यूरो के आने की सूचना कैसे मिल गई अधिकारियों को ? अजय सैनी ने मरम्मत कार्य में लापरवाही की शिकायत ब्यूरो से की हुई थी। ब्यूरो की ओर से इंजीनियरिंग शाखा से कार्यकारी अभियंता जय सिंह के नेतृत्व में टीम आई लेकिन शायद प्राधिकरण के अधिकारियों को पहले ही पता लग गया था। तीन दिन से पुल के ऊपर टूटे डिवाइडर की मरम्मत चल रही थी। फुटपाथ पर पेंट किया जा रहा था। अजय सैनी ने बताया कि पुल की मरम्मत में जरूर लापरवाही सामने आएगी। इसका मतलब प्राधिकरण के अधिकारियों की ब्यूरो के कार्यालय में भी पैठ है। वहां से सूचना लीक हो गई थी। पुल की मरम्मत में उचित गुणवत्ता की निर्माण सामग्री का प्रयोग किया गया है। एंटी करप्शन ब्यूरो की रूटिन जांच है। हम इसमें पूरा सहयोग करेंगे।

साकेत में वरिष्ठ नागरिक चलाएंगे 'अतिक्रमण हटाओ' अभियान, फुटपाथ खाली कराने की मांग

दक्षिणी दिल्ली, एजेंसी। साकेत में वरिष्ठ नागरिक 'फुटपाथ हमारा है, अतिक्रमण हटाओ-राहत दिलाओ' अभियान चलाएंगे। इलाके में फुटपाथ पर अतिक्रमण और सड़कों पर जाम से होने वाली वाली परेशानियों को देखते हुए यह योजना बनाई गई है। सीनियर सिटीजन वेलफेयर एसोसिएशन के तहत यह अभियान चलाया जाएगा। इसमें बुजुर्ग जल्द संबंधित विभागों व अधिकारियों से मिलकर मांगपत्र सौंपेंगे। दरअसल, साकेत में अतिक्रमण, जाम और अवैध पार्किंग से स्थानीय लोग बेहद परेशान हैं। मुख्य सड़कों पर दिनभर जाम के हालात बने रहते हैं। फुटपाथ पर भी अतिक्रमण के चलते लोगों को मजबूरन सड़कों पर चलना पड़ता है। सबसे ज्यादा परेशानी बुजुर्गों और स्कूली बच्चों को होती है। एसोसिएशन के पदाधिकारियों के कहना है कि हमेशा दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। कई बार बुजुर्ग चोटिल भी हुए हैं। ऐसे में समस्या से निजात दिलाने के लिए फुटपाथ खाली कराने और अवैध पार्किंग हटाने की मांग उठाई जाएगी।

क्षेत्रीय लोग पहले भी कर चुके हैं विरोध : एसोसिएशन के उपाध्यक्ष राकेश डबास बताते हैं कि फुटपाथ को खाली कराने के लिए हम लोग लंबे समय से मांग उठा रहे हैं। इसे लेकर नगर निगम के कमिश्नर, मुख्यमंत्री, उपराज्यपाल, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (जीएनसीटीडी) के मुख्य सचिव को भी पत्र भेजा जा चुका है। किसी की तरफ से कुछ नहीं किया जा रहा है। अब हम लोग अधिकारियों और जन प्रतिनिधियों से मिलेंगे और समस्या को रखेंगे। मुख्यमंत्री से भी मिलने का समय मांगा गया है।

दिल्ली सरकार का बड़ा कदम: सरकारी वाहनों के लिए पीयूसी प्रमाणपत्र अनिवार्य, 10 अप्रैल तक नवीनीकरण का निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। वैध प्रदूषण नियंत्रण (पीयूसी) प्रमाणपत्रों के बगैर दिल्ली में चलने वाले सरकारी वाहन के खिलाफ दायर याचिका पर दिल्ली सरकार ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में स्थिति रिपोर्ट दाखिल की है। दिल्ली सरकार ने स्थिति रिपोर्ट दाखिल कर बताया है कि बगैर पीयूसी प्रमाणपत्र के सरकारी वाहनों को न चलाने के संबंध में सभी विभागों को आदेश जारी किया गया है। दिल्ली सरकार के परिवहन विभाग दाखिल की गई स्थिति रिपोर्ट में कहा है कि केंद्रीय मोटर वाहन नियम-1989 के नियम 115 के प्रविधानों के अनुसार प्रत्येक मोटर वाहन के लिए वैध प्रदूषण नियंत्रण (पीयूसी) प्रमाण पत्र रखना अनिवार्य है और दिल्ली । आदेश दिया गया है। यह भी कहा गया है।

गुरुग्राम के हजारों घर खरीदारों को राहत; हरेरा ने 2024 तक के सभी मामले निपटाए, बिल्डरों को देना पड़ेगा रिफंड

नया गुरुग्राम, एजेंसी। हरियाणा रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (हरेरा) गुरुग्राम ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए साल 2024 तक के सभी लंबित मामलों का निपटारा कर दिया है। इससे घर खरीदारों को राहत मिलने की उम्मीद है और विवादों के समाधान की प्रक्रिया तेज होगी। अधिकारियों के अनुसार 31 मार्च 2025 तक हरेरा गुरुग्राम के पास कुल 2174 मामले लंबित थे। अब इन सभी मामलों को निपटा दिया गया है और फिलहाल केवल वर्ष 2025 और उसके बाद दर्ज मामलों पर ही सुनवाई चल रही है। 2018 के 15 मामले, 2019 के 28, 2020 के 10, 2021 के 74, 2022 के 333, 2023 के 654 और 2024 के सबसे अधिक 1,060 मामले। प्राधिकरण ने पिछले एक साल में

लगातार प्रयास कर इस पूरे बैकलाग को खत्म किया। घर खरीदारों को रिफंड और देरी से कब्जा मिलने का लाभ दिया हरेरा गुरुग्राम ने अपने बयान में कहा कि सभी मामलों का निपटारा प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत और कानून के अनुसार किया गया है। रेरा एक्ट की धारा 18 के तहत योग्य मामलों में घर खरीदारों को रिफंड और देरी से कब्जा का लाभ भी दिया गया। पहले मामलों के निपटारे में काफी समय लग रहा था और एक शिकायत को सुलझाने में करीब 12 से 15 महीने लगते थे। हालांकि अब प्राधिकरण का लक्ष्य इसे घटाकर 6 से 9 महीने करना है। आंकड़ों के अनुसार साल 2025 में ही हरेरा गुरुग्राम ने 5024 शिकायतों का निपटारा किया और पात्र घर खरीदारों को रिफंड या मुआवजा दिया।

रेरा मामलों को निपटाने में तीसरे स्थान पर गुरुग्राम : केंद्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय के रेरा ट्रैकर के अनुसार कुल शिकायतों के मामले में गुरुग्राम तीसरे स्थान पर है लेकिन निपटान दर में पूरे देश में सबसे आगे है। गुरुग्राम रेरा ने 17893 शिकायतें दर्ज की। जिनमें से 16753 का निपटारा किया जा चुका है यानी 93.62% निपटान दर। इसकी तुलना में उत्तर प्रदेश रेरा ने 60,021 में से 52,047 (86.71%), महाराष्ट्र रेरा ने 34,485 में से 28,289 (82.03%) और कर्नाटक रेरा ने 12,904 में से 10,522 (81.54%) मामलों का निपटारा किया है।

गाजियाबाद में 100 से अधिक चालान वाले चालकों के लाइसेंस होंगे रद, साथ ही मिलेगी ये सजा

गाजियाबाद, एजेंसी। जिले में यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले आदतन वाहन चालकों पर अब बड़ी कार्रवाई की तैयारी है। 100 से अधिक बार चालान कटवा चुके चालकों के खिलाफ पुलिस और क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) ने संयुक्त रूप से सख्ती का निर्णय लिया है। ऐसे 80 चालकों की सूची पुलिस ने आरटीओ को सौंप दी है, जिनके ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त किए जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। साथ ही उनके वाहनों को ब्लैकलिस्ट करने की भी तैयारी है।

अधिकारियों के मुताबिक इन वाहन चालकों पर अधिकांश चालान गंभीर यातायात उल्लंघनों जैसे तेज रफ्तार, रेड लाइट जंप करना, गलत दिशा में वाहन चलाना और बिना हेलमेट एवं सीट बेल्ट वाहन चलाने के कारण किए गए हैं। बार-बार नियम तोड़ने के बावजूद इन चालकों में सुधार नहीं दिखा, जिससे विभाग ने कड़ा रुख अपनाया है। खास बात यह है कि जिन चालकों ने अपने चालानों की राशि का भुगतान कर दिया है, वे भी इस कार्रवाई से नहीं बच पाएंगे। अधिकारियों का कहना है कि केवल जुर्माना भर देना पर्याप्त नहीं है, यदि कोई चालक लगातार नियमों की अवहेलना करता है तो उसकी ड्राइविंग पात्रता पर सवाल खड़ा होता है। इसी आधार पर लाइसेंस निरस्तीकरण जैसा कठोर कदम उठाया जा रहा है।

इस संबंध में आरटीओ कार्यालय ने संबंधित चालकों का पूरा ब्यौरा खंगालना शुरू कर दिया है। अधिकारियों का मानना है कि इस सख्ती से शहर में यातायात अनुशासन स्थापित करने में मदद मिलेगी और सड़क हादसों पर भी अंकुश लगेगा।

जिन वाहन चालकों पर 100 से अधिक चालान हुए हैं, वे लगातार नियमों की अनदेखी कर रहे थे, जिसके चलते यह कार्रवाई आवश्यक हो गई है। केवल चालान की राशि जमा कर देना पर्याप्त नहीं है। यदि कोई चालक बार-बार नियमों का उल्लंघन करता है, तो वह सड़कों पर दूसरों की सुरक्षा के लिए खतरा बन जाता है। ऐसे में उनके ड्राइविंग लाइसेंस का निरस्तीकरण की कार्रवाई की जा रही है।

निवेशकों को आकर्षित कर रहा नोएडा एयरपोर्ट और बेहतर कनेक्टिविटी, युवाओं के लिए बढ़ रहे रोजगार के अवसर

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा में इलेक्ट्रॉनिक कंपनियों के लिए गौतमबुद्ध नगर हब बनकर उभर रहा है। देश के 50 प्रतिशत मोबाइल फोन गौतमबुद्ध नगर में बनाए जा रहे हैं। इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र में निवेश के लिए नई कंपनियां यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में कदम रखने को तैयार हैं। प्राधिकरण भी इन कंपनियों के जरिए निवेश और रोजगार जुटाने के लिए निमंत्रण दे रहा है। इंडिया एक्सपो मार्ट में बुधवार से शुरू हुई। इलेक्ट्रॉनिका एंड प्रोडक्ट्रॉनिका इंडिया- 2026 यमुना प्राधिकरण के लिए निवेश की दृष्टि से नई संभावनाएं लेकर आया है। इसलिए प्राधिकरण के अधिकारियों ने इस अवसर का फायदा उठाने के लिए कंपनियों से संपर्क किया है।

हजारों लोगों को देगा रोजगार : यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर, मेडिकल डिवाइस पार्क, सेमीकंडक्टर चिप फैक्ट्री के अलावा डाटा पार्क आदि का निर्माण हो रहा है। करीब 7500 करोड़ के साथ वो यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में स्थापित हो चुकी है इलेक्ट्रॉनिक उद्योग यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में हजारों लोगों को रोजगार देगा।प्राधिकरण इस उद्योग को और विस्तार देने के लिए जुटा है। इलेक्ट्रानिका एंड प्रोडक्ट्रॉनिका इंडिया में शिरकत कर रही कंपनी भी यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में निवेश को लेकर उत्साहित है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के जरिए विदेशी बाजार तक अपने उत्पाद की पहुंच और देश के भीतर एक्सप्रेसवे की कनेक्टिविटी उन्हें यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में निवेश के लिए आकर्षित कर रही है।

इलेक्ट्रॉनिक उद्योग का हब बनकर उभरेगा यमुना प्राधिकरण : प्राधिकरण के एसीईओ शैलेंद्र भाटिया का कहना है इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र की कंपनियों के साथ निवेश को लेकर हुई है। इस वार्ता से आने वाले समय में उत्साह जनक परिणाम सामने आ सकते हैं। यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में जमीन की उपलब्धता, कनेक्टिविटी और अन्य संसाधन इस क्षेत्र को निवेश के लिए आकर्षक बनाते हैं। प्रदेश सरकार अपनी नीति के जरिए निवेशकों को प्रोत्साहन दे रही है। इससे आने वाले समय में यमुना प्राधिकरण इलेक्ट्रॉनिक उद्योग का हब बनकर उभरेगा।

जीएसटी विभाग में बड़े अधिकारियों की अनुपस्थिति, सीएम रेखा गुप्ता ने किया औचक निरीक्षण; कारण बताओ नोटिस जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की सत्ता संभालते समय करीब एक साल पहले मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अधिकारियों का वर्क कल्चर बदलने की जो बात कही थी, दिल्ली बिक्री एवं कर विभाग (स्टेट जीएसटी) के अधिकारियों ने उसे हवा में उड़ा दिया है। सीएम ने बुधवार को जब इस विभाग के मुख्यालय का औचक निरीक्षण किया तो वहां कई अधिकारी और कर्मचारी मौजूद नहीं थे। मुख्यमंत्री ने मौके पर ही निर्देश जारी किए कि जो भी स्टाफ अनुपस्थित है, उन्हें तुरंत कारण बताओ नोटिस जारी किया जाए। उन्होंने सभी कर्मचारियों और अधिकारियों की उपस्थिति का अपडेट मांगा और बायोमेट्रिक आधार पर पिछले एक महीने का रिकार्ड तत्काल प्रस्तुत करने के निर्देश दिए ताकि जिम्मेदारी तय की जा सके। उन्होंने संकेत दिए हैं कि कई अन्य विभागों के भी इसी तरह औचक निरीक्षण जारी रहेंगे और लापरवाह अधिकारियों को बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री ने कई वरिष्ठ अधिकारियों के अनुपस्थित पाए जाने पर कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अनुशासन केवल निचले कर्मचारियों के लिए नहीं, बल्कि आयुक्त और विशेष आयुक्त स्तर तक हर अधिकारी पर समान रूप से लागू है।

मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को बायोमेट्रिक सिस्टम का गंभीरता से पालन करने के लिए कहा है। मुख्यमंत्री ने निरीक्षण के दौरान करदाताओं और आम नागरिकों से सीधे संवाद कर फीडबैक लिया। जिसमें जनता ने विभाग में फैले भ्रष्टाचार और काम रोकने की प्रथा के बारे में उन्हें जानकारी दी है। लोगों ने बताया कि न ही अधिकारी और न ही निरीक्षक मिलते हैं, बगैर पैसे यहां काम नहीं होता है।

सीएम ने संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाते हुए दो टूक कहा कि जनसेवा में देरी या लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं होगी और इसके लिए सीधे जिम्मेदारी तय की जाएगी। जन-शिकायत निवारण व्यवस्था पर भी मुख्यमंत्री ने सख्त निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की बैठकों के कारण नागरिकों के काम लंबित रहना अस्वीकार्य है। सभी लंबित मामलों की साप्ताहिक समीक्षा की जाए, शिकायत निवारण प्रक्रिया को सरल और तेज बनाया जाए।

गुरुग्राम में 15 मई को होंगे जिला बार एसोसिएशन के चुनाव, 16 अप्रैल से शुरू होगी चुनावी प्रक्रिया

बादशाहपुर, एजेंसी। जिला बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव 15 मई को आयोजित किए जाएंगे। इसके लिए चुनाव प्रक्रिया 16 अप्रैल से औपचारिक रूप से शुरू हो जाएगी। पंजाब एवं हरियाणा बार काउंसिल के चुनाव के चलते जिला बार एसोसिएशन के चुनाव कई महीने देरी से हो रहे हैं। बार काउंसिल ने सभी चरण के लिए समय सीमा तय कर दी है साथ ही यह भी निर्देश दिए हैं कि सभी चरण निर्धारित समयसीमा में पूरे करना अनिवार्य होगा। निर्धारित शेड्यूल के तहत 16 अप्रैल तक अधिवक्ताओं को अपना शपथ पत्र (एफिडेविट) जमा कराना और वार्षिक सदस्यता शुल्क का भुगतान करना होगा। इसके साथ

ही पात्र मतदाताओं की सूची तैयार करने की प्रक्रिया भी इसी तारीख तक पूरी की जाएगी। 20 अप्रैल तक रिटर्निंग आफिसर और चुनाव समिति का गठन किया जाएगा। मतदाता सूची को अंतिम रूप देकर सार्वजनिक किया जाएगा। इसके बाद 24 अप्रैल तक बार काउंसिल द्वारा वोटर लिस्ट जारी की जाएगी। 27 अप्रैल को इसे नोटिस बोर्ड पर चस्पा किया जाएगा, ताकि सदस्य उसमें किसी भी प्रकार की त्रुटि पर आपत्ति दर्ज करा सकें।

फरीदाबाद के लोगों के लिए गुड न्यूज, 1.37 करोड़ रुपये में बनेगी नई सड़क; जानलेवा गड्ढों से मिलेगी मुक्ति

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद में नगर निगम मुख्यालय के चारों तरफ टूटी हुई सड़कों से परेशान लोगों को राहत मिलने वाली है। निगम ने सड़क बनाने को लेकर 1.37 करोड़ रुपये का टेंडर जारी कर दिया है। निगम का कहना है कि इस माह काम भी शुरू कर दिया जाएगा। इसी सड़क से होकर लोग बादशाह खान नागरिक अस्पताल जाते हैं। निगम मुख्यालय के चारों तरफ पिछले काफी समय से सड़क टूटी हुई है।

बारिश के दौरान होती है ज्यादा मुश्किल : बताया गया कि वर्षा के समय तो इस सड़क से निकलना मुश्किल हो जाता है। जलभराव होने की वजह से गड्ढों का अंदाजा नहीं लग पाता है। जिससे वाहन चालकों का संतुलन बिगड़ता है। हालांकि, इससे पहले भी निगम की ओर से सड़क को टेंडर लगाया गया था। लेकिन किसी भी एजेंसी ने टेंडर नहीं उठाया था। नगर निगम कार्यकारी अभियंता नितिन कादियान ने बताया कि सड़क को बनाने के लिए 1.37 करोड़ का टेंडर लगाया गया है। टेंडर को लेकर एजेंसियों से भी बात की जा रही है।

नाना राव पार्क में गूंजा नवकार महामंत्र; सामूहिक जाप में उमड़ा जैन समाज, विश्व शांति के लिए मांगी दुआएं

कानपुर, एजेंसी। कानपुर के नाना राव पार्क का प्रांगण बुधवार को भक्ति के सागर में सराबोर हो गया। जैन धर्म के सबसे पवित्र और प्रभावशाली नवकार महामंत्र के सामूहिक जाप का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में मौजूद श्रद्धालुओं ने एक स्वर में मंत्रोच्चार कर पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान आदिनाथ के चित्र पर दीप प्रज्ज्व न और माल्यार्पण के साथ हुई। सफेद वस्त्र धारण किए श्रद्धालुओं ने अनुशासनबद्ध तरीके से बैठकर णमोकार महामंत्र का जाप किया। भक्तों की मान्यता है कि इस मंत्र के जाप से न केवल आत्मिक शांति मिलती है, बल्कि नकारात्मक ऊर्जा का भी विनाश होता है।

दुनिया में शांति और भाईचारे के लिए प्रार्थना : कार्यक्रम के अंत में जैन संतों और विद्वानों ने प्रवचन दिया। उन्होंने बताया कि नवकार मंत्र किसी व्यक्ति विशेष के लिए नहीं, बल्कि उन सभी अरिहंतों और सिद्धों के प्रति सम्मान है, जिन्होंने मोक्ष प्राप्त किया है। भक्तों ने देश और दुनिया में शांति और भाईचारे के लिए प्रार्थना की। आयोजन में शहर के विभिन्न जैन मंदिरों की समितियों और जैन समाज के पदाधिकारियों ने सक्रिय सहभागिता की।

जीवन में सफलता के लिए योजना बनाकर करें कार्य

गोरखपुर एजेंसी। दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज के वाणिज्य विभाग की ओर से बुधवार को बीकॉम एवं एमकॉम प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों का स्वागत व अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि जीवन में सफल होने के लिए हमें प्रत्येक कार्य को योजना बनाकर करना चाहिए। एक अच्छी योजना हमें सही दिशा देती है और समय का सही उपयोग सिखाती है। विभाग के प्रभारी डॉ. संजीव सिंह ने कहा कि हमें अपनी भाषा, बोलने का तरीका और आत्मविश्वास पर काम करना चाहिए। संचालन नव्या सिंह एवं श्रेया पांडेय ने किया। बीकॉम में अनुष्ठान उपाध्याय मिस्टर फ्रेशर व अंजू निषाद मिस फ्रेशर चुनी गईं। एमकॉम में रमेश मिश्र व श्रेया पांडेय को क्रमशः मिस्टर एवं मिस फ्रेशर चुना गया। इसी तरह बीकॉम एवं एमकॉम अंतिम वर्ष के मिस्टर फेयरवेल अभिषेक प्रजापति और सत्यव्रत विश्वकर्मा और मिस फेयरवेल ज्योति कुमारी एवं नव्या सिंह को चुना गया। इस अवसर पर डॉ. संजय त्रिपाठी, डॉ. चंडी प्रसाद पांडेय, डॉ. अभय मालवीय, डॉ. दीपक साहनी, डॉ. सुभाष गुप्ता, डॉ. रानी द्विवेदी, डॉ. विवेक शाही आदि उपस्थित रहे।

बातों में उलझाने में माहिर अंजली, हाथ साफ कर देती है आशा, सराफ के 12 लाख रुपये उड़ाए

मेरठ, एजेंसी। मेरठ के देहली गेट थाना क्षेत्र में देवबंद के सराफ व्यापारी अनिल कुमार गुप्ता के बैग से 5 अप्रैल को 12 लाख रुपये चोरी करने वाली अंतरराज्यीय गैंग की एक महिला गुरुग्राम के गढ़ी हसरेरू गांव निवासी आशा उर्फ सुनीता को पुलिस ने बुधवार को सिटी रेलवे स्टेशन के पास से पकड़ लिया। पुलिस को महिला के पास 11.20 लाख रुपये मिले। पुलिस गढ़ी हसरेरू गांव निवासी दूसरी आरोपी महिला अंजली की तलाश कर रही है। दोनों महिलाओं ने चार महीने पहले नौचंदी क्षेत्र में में किराए का मकान लिया था। आरोपी महिलाएं अलग-अलग राज्यों में जाकर घटनाओं को अंजाम देती है। आरोपी महिलाओं पर पंजाब में भी चोरी की प्राथमिकी दर्ज है। एएसपी अंतरिक्ष जैन ने बताया कि सहारनपुर जनपद के देवबंद निवासी अनिल कुमार गुप्ता ने 5 अप्रैल को थाने पर प्राथमिकी दर्ज कराते हुए बताया था कि वह अपने साथी हरिओम के साथ मेरठ के सराफा बाजार में आए थे। कार टाउन हॉल की पार्किंग में खड़ी करने के बाद वह ई-रिक्शा से बाजार की ओर जा रहे थे। इसी बीच ई-रिक्शा सवार दो महिलाओं ने उसके बैग से 12 लाख रुपये चोरी कर लिए थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी थी। पुलिस ने 200 से अधिक सीसीटीवी फुटेज चेक किए थे। महिलाएं एक सीसीटीवी में कैद हो गई थी। पुलिस ने मंगलवार रात महिलाओं के कमरे पर छापा मारा। मगर महिलाएं नहीं मिली। बुधवार सुबह पुलिस ने आरोपी महिला आशा उर्फ सुनीता को पकड़ लिया। पुलिस पूछताछ में महिला ने बताया कि वह अपनी सहेली अंजली के साथ मिलकर अलग-अलग राज्यों में घटना को अंजाम देती है। घटना के दौरान अंजली अपनी बेटी को साथ रखती थी। महिलाएं चोरी करने के बाद ट्रेन की मदद से वापस गुरुग्राम आ जाती थी। एएसपी का कहना है कि अंजली को जल्द पकड़ लिया जाएगा। पकड़ी गई महिला को जेल भेज दिया गया है।

अंजली भटकाती थी लोगों को ध्यान : पुलिस पूछताछ में सुनीता ने बताया कि चार महीने से वह सराफा बाजार में चोरी का प्रयास कर रही थी। चोरी करते समय अंजली ई-रिक्शा व टेंपो में बैठे लोगों को अपनी बातों में उलझाती है। बातों में उलझाकर वह घटना को अंजाम देती थी। पुलिस ने अंजली की गिरफ्तारी के लिए गुरुग्राम में डेरा डाल दिया है।

सभी कोर्स में एआई को शामिल करने वाला देश का पहला विश्वविद्यालय बन रहा एमजीयूजी

गोरखपुर , एजेंसी। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) देश का ऐसा पहला विश्वविद्यालय बनने जा रहा है जहां इस शैक्षिक सत्र से सभी कोर्स एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) इंटीग्रेटेड कर दिए गए हैं। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिशा-निर्देश पर सभी पाठ्यक्रमों में एआई को शामिल किया गया है। यह जानकारी एमजीयूजी के उप कुलसचिव (प्रशासन) श्रीकांत ने बुधवार को विश्वविद्यालय की प्रवेश समिति की बैठक में साझा की। कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में उप कुलसचिव ने कहा ।